

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Sunday, 27 September 2026

जुबीन गर्ग केस में बड़ा खुलासा : दो बॉडीगार्ड गिरफ्तार, ₹1.10 करोड़ लेनदेन का मामला

Publisher

Published on 11 Oct 2025



पिछले महीने सिंगापुर में रहस्यमय परिस्थितियों में गायक **जुबीन गर्ग** की मौत ने पूरे बॉलीवुड और उनके प्रशंसकों को झकझोर कर रख दिया था। इस केस में शुक्रवार को बड़ा मोड़ आया, जब पुलिस ने जुबीन गर्ग के **दो निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ)** को गिरफ्तार किया। जांच में पता चला कि दोनों के द्वारा करीब **₹1,10,00,000** के संदिग्ध लेनदेन का मामला सामने आया है।

सीआईडी ने दोनों पीएसओ को 5 दिन की हिरासत में भेजा है। अधिकारियों का कहना है कि इस दौरान इनसे कड़ी पूछताछ की जाएगी और जुबीन की मौत से जुड़े सभी पहलुओं की जानकारी जुटाई जाएगी। इस गिरफ्तारी के साथ ही जुबीन गर्ग की मौत से जुड़े मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या अब **सात** हो गई है।

सिंगापुर में हुए इस रहस्यमय हादसे ने न केवल परिवार और प्रशंसकों को सदमे में डाल दिया, बल्कि जांच एजेंसियों के लिए भी यह केस चुनौतीपूर्ण साबित हुआ। शुरुआती जांच में यह पता चला कि जुबीन गर्ग के पीएसओ ने उनके बैंक और वित्तीय लेनदेन में संदिग्ध गतिविधियों को अंजाम दिया। विशेष रूप से ₹1.10 करोड़ की राशि का ट्रैक किया गया, जो जुबीन के खाते से असामान्य तरीके से निकाली गई थी।

जुबीन के परिवार ने पहले ही इस मामले में न्याय की मांग करते हुए कहा था कि उनके बेटे की मौत सामान्य नहीं थी और इसके पीछे गहरे कारण हो सकते हैं। उनके बयान और सबूतों के आधार पर जांच एजेंसियों ने मामले की गहराई में जाकर सीसीटीवी फुटेज, बैंक रिकॉर्ड और अन्य वित्तीय लेनदेन की जांच शुरू की।

जुबीन गर्ग की मौत के मामले में गिरफ्तार किए गए अन्य पांच लोग पहले ही सीआईडी की हिरासत में रह चुके हैं। इनमें उनके कुछ करीबी परिचित और प्रबंधक शामिल हैं। अब इन दो पीएसओ की गिरफ्तारी ने जांच की दिशा और भी स्पष्ट कर दी है।

अधिकारियों का कहना है कि पीएसओ के बयान और वित्तीय लेनदेन की पड़ताल से इस रहस्यमय मौत के पीछे की वास्तविकता सामने आ सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि बॉलीवुड में सुरक्षा और निजी वित्तीय लेनदेन का मामला अक्सर विवादित हो सकता है। इस केस ने यह दिखा दिया है कि किसी भी बड़े कलाकार की सुरक्षा और वित्तीय गतिविधियों पर नजर रखना कितना जरूरी है। जुबीन गर्ग के मामले में वित्तीय अनियमितताओं और सुरक्षा से जुड़े पहलुओं की जांच चल रही है।

सीआईडी अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद दोनों पीएसओ से उनकी भूमिका और जुबीन की मौत से जुड़े संदिग्ध गतिविधियों के बारे में पूछताछ की जाएगी। साथ ही यह भी पता लगाया जाएगा कि ₹1.10 करोड़ के लेनदेन का उद्देश्य क्या था और इसमें किसी तीसरे पक्ष की संलिप्तता है या नहीं।

जुबीन गर्ग के प्रशंसकों और बॉलीवुड समुदाय ने इस गिरफ्तारी को राहत की खबर माना है। हालांकि, यह मामला अभी भी कई सवाल के घेरे में है। विशेषज्ञ और मीडिया कर्मी लगातार अपडेट्स के लिए जांच प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं।

इस घटना ने बॉलीवुड में सुरक्षा और वित्तीय पारदर्शिता के मुद्दों को भी सामने ला दिया है। जानकारों का कहना है कि ऐसे मामलों में जल्दी और सही जांच न होने पर कलाकारों के करियर और प्रतिष्ठा पर असर पड़ सकता है। जुबीन गर्ग की मौत के मामले में सीआईडी की सक्रियता और तेज जांच ने अब तक के सारे सवालों को हल करने की दिशा में एक अहम कदम बढ़ाया है।

जुबीन गर्ग के परिवार ने मीडिया को बयान देते हुए कहा कि वे न्याय चाहते हैं और जांच एजेंसियों पर पूरा भरोसा रखते हैं। परिवार का कहना है कि जुबीन की मौत को लेकर हर पहलू को खंगालना जरूरी है ताकि सच सामने आ सके और दोषियों को सजा मिल सके।

बॉलीवुड विशेषज्ञ और विश्लेषक मानते हैं कि इस केस की जांच से न केवल जुबीन गर्ग की मौत की सच्चाई सामने आएगी, बल्कि अन्य कलाकारों और उनके परिवारों के लिए सुरक्षा और वित्तीय मामलों में एक चेतावनी भी साबित होगी।

जुबीन गर्ग की मौत और इसके पीछे की गुत्थी के खुलासे ने मीडिया, पुलिस और फैस सभी की निगाहें इस केस पर केंद्रित कर दी हैं। आगामी दिनों में सीआईडी की हिरासत में पीएसओ से की गई पूछताछ और वित्तीय लेनदेन की पड़ताल से इस रहस्य के कई नए पहलू उजागर होने की उम्मीद है।

इस मामले की जांच और गिरफ्तारी ने बॉलीवुड और जुबीन के प्रशंसकों के बीच राहत और उत्सुकता दोनों बढ़ा दी है। अब सबकी निगाहें इस पर हैं कि अगले पांच दिन की हिरासत में क्या नए खुलासे होते हैं और जुबीन गर्ग के रहस्यमय निधन की गुत्थी किस तरह सुलझती है।